राज कॉमिक्स
मूल्य 8.00 संख्या 722

हत्याक्षरी

फाइटर टोड्स

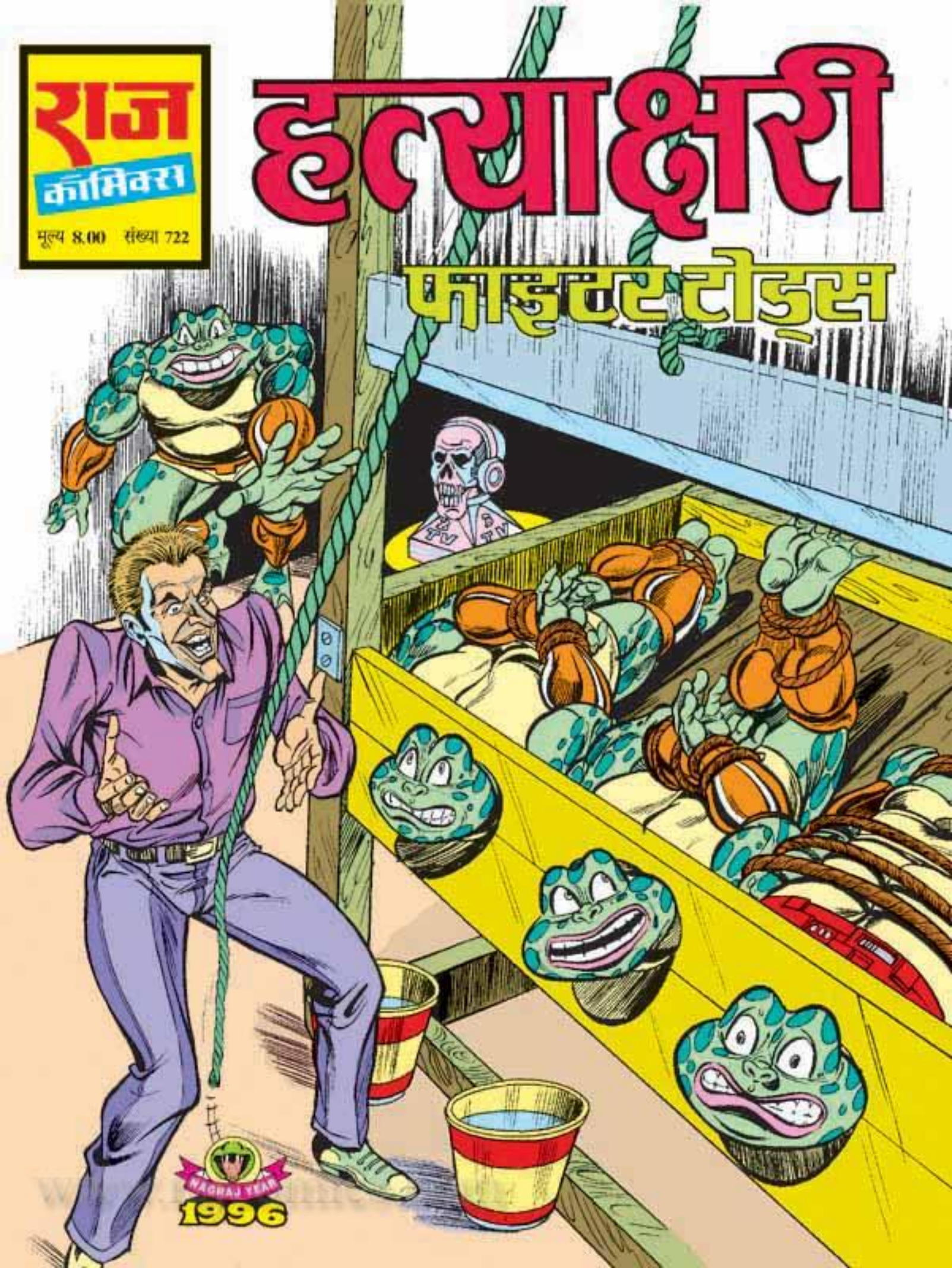

फाइटर टोड्स सीरीज

हत्याक्षरी

लेखक: तरुण कुमार वाही
हास्य निर्देशक: संजय गुप्ता
चित्रांकन: विनोद कुमार
सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता
सहलेखक: भरत

टी॰वी॰ में बोर अंताक्षरी का कार्यक्रम देखते- देखते एक दिन भोले- भाले, प्यारे-प्यारे मगर गजब के बहादुर फाइटर टोड्स के दिमाग में भी अंताक्षरी में हिस्सा लेने की बात आई। बस फिर क्या था। टोड्स ने एक पत्र अंताक्षरी के पते पर भेज दिया। और तब तो चारों के सिर छत से ही टकरा गए जब उन्हें बोर अंताक्षरी में हिस्सा लेने का निमंत्रण मिला। चारों टोड्स सज धज कर चल पड़े अंताक्षरी में हिस्सा लेने–

© Raja Pocket Books

Uploaded for RCJ Commmnity

Ankur's UPload

तभी-

टी० वी केन्द्र ।
टी० वी० केन्द्र ।
टी० वी० केन्द्र !

मास्टर्र ! वो देख, बस वाहन !

RAJ COMICS

और वो कह रहा है कि टी० वी० के अंदर यानी ये बस वाहन सीधा टी० वी० के अन्दर पहुंचाएगा । चल जल्दी कर । बस वाहन से हम वहां जल्दी पहुंच जाएंगे ।

और थकेंगे भी नहीं । दौड़ो ! बस वाहन चल पड़ा है ।

हम्फ ! बस वाहन में चढ़ गए । शुक्र है ।

आज शुक्र नहीं है भैया, शनिचर है । पता नहीं कहां - कहां से चले आते हैं नमूने । देना भैया ! दो टिकट पूरे, दो आधे । बच्चों के साथ सफर करना भी मुसीबत है ।

दो टिकटों के दो रुपए और दो आधी टिकटों का एक रुपया मिलाकर तीन रुपए ।

तुम चारों का टिकट कौन लेगा ?

जिसे मर्जी दे दो ।

मुझे दो । क्योंकि मुद्राएं मेरे पास हैं ।

ये लो ! चार आधे टिकट दे दो !

आंय । पर तुम चारों तो पूरे हो । तुम सबकी पूरी टिकट लगेगी !

क्यों ? जब आधा टिकट है तो हम पूरा क्यों लें ?

तुमके काटनी है तो आधी टिकट काट, वरना हम खुद काट लेंगे।

आह ! इतनी जोर से मार दिया । बस रोको...

... वरना अस्पताल का स्टॉप पीछे छूट जाएगा ।

मैंने सारी टिकटें आधी कर दी हैं ताकि ये दूसरे यात्रियों के साथ भी गड़बड़ न कर सकें।

अपनी चार टिकटें मैंने रख ली हैं। ये ले बची हुई टिकटें और चार टिकटों के पचास पैसे के हिसाब से दो रुपए।

बहू हू ! पर कंडेक्टर तू है या मैं !

अरे ! सारी टिकटें फाड़ दीं !

मैं तो कंप्यूटर्र हूं। अच्छा तेरा नाम कंडक्टर्र है!

मास्टर्र! यहां के लोग भी हमारे जैसे नाम रखते हैं!

हां, मगर सिर्फ नाम। काम तो सारे आदमियों वाले ही करते हैं ये धोखेबाजी के।

टी० वी० केन्द्र वाले उतरें।

मास्टर्र! ये फिर हमें बेवकूफ बना रहा है। हमसे इसने किराया टी० वी० के अन्दर तक पहुंचाने का लिया है और उतार बाहर ही रहा है!

बस को टी० वी० के अन्दर तक ले चल, नहीं तो हमारे पैसे वापस कर!

ये टी० वी० केन्द्र ही तो है। बहूहूहू... लगता है कंडक्टरी छोड़नी पड़ेगी।

कंडेक्टरी इसकी पत्नी का नाम होगा।

तू कंडेक्टरी को छोड़ या उसे अपने घर में रख। हमें उससे क्या? हमें तो बस टी० वी० के अंदर लेकर चल, नहीं तो पैसे वापस कर!

ये लो अपने दो रुपए। क्योंकि तुम्हारा घूंसा खा कर जो मेरे दांत टूटेंगे उसके इलाज का खर्च ज्यादा होगा।

देखा मास्टर! ऐसे लोगों को घूंसे की जुबान कितनी जल्दी समझ में आती है।

टी० वी० के अंदर हम खुद ही चले जाएंगे।

उसी समय जारी थी इंस्पेक्टर विचित्रसिंह की तफतीश-

हत्यारे ने इसकी हत्या गला काटकर की है।

सर! यू आर जीनियस। वरना पुलिस को कभी पता नहीं लग पाता कि इसकी हत्या गला काटकर की गई है क्योंकि उसका तो सिर ही नहीं है। ही ही ही!

सर! आपके लिए कौन सी निकालूं, आरेंजबार, मिल्कबार, या पिस्ताबार!

इसकी तलाशी में बोर अंताक्षरी का निमंत्रण पत्र मिला है। ओह! ये जरूर पूर्व सप्ताह की अंताक्षरी टीम में शामिल होगा...

... जिसके तीन विजेताओं की हत्याएं पहले ही की जा चुकी हैं। ...

... और इस हत्या को मिलाकर हत्यारे द्वारा किया गया ये आठवां खून है। और सभी शिकार अंताक्षरी के विजेता थे।

कोई ऐसा हत्यारा है जो पिछले पन्द्रह दिनों से अंताक्षरी के कई विजेताओं की जान के पीछे पड़ा है।

O111##117

बस एक ही बात समझ में नहीं आ रही है कि जब इसका सिर कटा हुआ था तो इसने आइसक्रीम कैसे खाई होगी, क्योंकि लाश के हाथ में आइसक्रीम स्टिक थमी है।

सर! जब हत्यारे ने इसका सिर काटा होगा तो ये आइसक्रीम खा रहा होगा। जिससे आइसक्रीम इसके मुंह में रह गई होगी, और स्टिक हाथ में। दाद तो दीजिए सर!

इधर शहर में मिल रही उन लाशों से आतंक फैला था –

...और उधर चारों टीड्स बी॰ टी॰ वी॰ की इमारत के सामने आ पहुंचे थे-

बी. टी. वी.

मास्टर! हमें इसी इमारत में जाना है। निमंत्रण पत्र में यही पता लिखा है!

तो फिर अंदर चलो!

हां! टी॰ वी॰ वाले हमारा इंतजार कर रहे होंगे।

ठहरो! कहां घुसे जा रहे हो? पास दिखाओ?

टीड्स! शायद इसे कम दिखता है। इसलिए ये कह रहा है कि पास आकर अपनी शक्लें दिखाओ!

ये इतनी पास से हमारी शक्लें देखेगा तो कहीं इसकी आत्मा इसके शरीर से दूर हो गई तो!

हमें क्या? ये कह रहा है तो हम पास से दिखा देते हैं।

ले! पास से देख ले। ही ही ही।

आssssहssss

बेचारा!
उसी समय बी.टी.वी. यानी बोर टी.वी. के अंताक्षरी स्टूडियो में-
बी टी वी अंताक्षरी
उफ्! कार्यक्रम शुरू होने में सिर्फ बीस मिनट रह गए हैं, और अभी तक एक भी प्रतियोगी अंताक्षरी के लिए यहां नहीं पहुंचा!
TEAM
हमें पता था कि एक दिन ऐसा ही होगा।
तभी-
प्रोड्यूसर साहब! यह देखिए, मैं किसे लाया हूं!
अरे, रोमांटिक तुम! तुम कहां चले गए थे। अंताक्षरी के प्रतियोगियों को बुलाने का काम तुम्हारा है। कहां हैं तुम्हारे सब गायक?
निमंत्रण तो सबको भेजा था प्रोड्यूसर साहब, पर कोई आया ही नहीं। जान सबको प्यारी है!
और! ये कौन है?
ये मेकअप मैन है। जो आपका मेकअप बड़ी फुर्ती से बदल-बदल कर आपको कभी टीम 'ए' का प्रतियोगी बना देगा और कभी टीम 'बी' का, बाकी सीटों पर पुतले रखकर काम चला लेंगे। ही ही ही!
मेकअप बदलना अपुन के बाएं हाथ का कमाल है, और नाम है जीरो जीरालाल।

म... मगर मुझे अंताक्षरी करनी नहीं आती। मैं क्या मेरे बाप को भी नहीं आती थी। ही ही ही। बहूहूहू।

उसकी फिक्र आप मत करें प्रोड्यूसर साहब! आपको कैमरे के सामने गाना गाते हुए केवल होंठ हिलाने होंगे, बाकी का काम अपना ये उभरता गायक शोर कुमार प्लेबैक सिंगिंग के जरिए पूरा कर देगा!

☆ प्लेबैक सिंगर - परदे के पीछे रहकर गाने वाला गायक!

यूडली यूडली ही ही। किशोरकुमार को भी अपुन ही प्लेबैक देता था साब! क्या?

सर! पहले टीम 'ए' की बारी है। आप टीम 'ए' वाली सीट पर जाकर बैठ जाएं।

और मैं ये दाढ़ी आपके थोबड़े पर चेप दूं ताकि कोई आपको पहचान न पाए कि आप ही दरअसल इस कार्यक्रम के प्रोड्यूसर हैं। ही ही ही!

MAKE UP KIT

म... मममम... मगर लेकिन जब अकेला मैं ही अंताक्षरी का पूरा कार्यक्रम दूंगा तो मैं ही जीतूंगा!

ये तो और भी अच्छा है, हार भी आपकी और जीत भी।

लेकिन मुझे नहीं जीतना। अभी दो सौ बरसों तक अंताक्षरी और चलानी है। बहूहूहू।

Ankur's UPload

कहीं पर-

...इसके दाग ने जादू कर दिया sss अच्छे-भले कपड़ों का सत्या-नाश कर दिया ! इस्तेमाल करें, सत्यानाश डिटर्जेंट पाउडर !...

बीस मिनट के विज्ञा-पनों के बाद अंताक्षरी शुरू होने वाली है, और आज मुझे देखना है कि विजेता कौन होगा ?...

... क्योंकि अंताक्षरी के विजेताओं को मैं देता हूं...

... मौत की ट्राफी। ही ही ही।

सिंगर पसली के हाथों बोर अंताक्षरी का कोई विजेता नहीं बच सकता...

... और ये हैं मेरे सभी शिकारों की खोपड़ियां जो बोर अंताक्षरी के विजेता बने थे। ही ही ही।

और तब-
लल्लन, कल्लन, झल्लन, टल्लन! तुम चारों मेरी कसाई पार्टी के सदस्य हो। अंताक्षरी शुरू होने वाली है। हमेशा की तरह आज भी तुम्हें दर्शकों में जाकर बैठ जाना है। और फिर अवसर मिलते ही विजेताओं के सिर काटकर...
...खोपड़ियां तेज़ाब में साफ करके और निकल पॉलिश से चमकाकर मेरे खोपड़ी संग्रहालय में लानी हैं!
पर उस्ताद! आज किस अक्षर के विजेता को शिकार बनाना है?
मेरी लिस्ट के मुताबिक पिछली अंताक्षरी में टीम 'ए' के चार प्रतियोगी विजयी हुए थे...
...उन चारों के नामों के अंतिम अक्षर मा, श, क और क थे। आज वो विजेता शिकार के लिए चुनना है जिसका नाम इन्हीं अक्षरों से शुरू होता हो! मैंने हत्या करने के लिए अंताक्षरी रूल ही लागू किया है। ये सिर्फ हत्या ही नहीं, 'हत्याक्षरी' है।

जबकि इधर अंताक्षरी का पहला शॉट लिया जाने वाला था-

रीमांटिक! तुम कैंटीन में से अपने चाय वाले झुमरू को पकड़ लाओ। आज का प्रतियोगी उसे बना देते हैं। समझा करो, मेरी जान कीमती है।

आप खामखाह डर रहे हैं प्रोड्यूसर साहब! आप कोई असली शक्ल में अंताक्षरी थोड़े ही जीतेंगे जो आपकी जान को भी खतरा हो। यस लाइट, साउंड, कैमरा...

TEAM A

... एक्श...
आयं! इस समय कौन आ सकता है?

ठक ठक ठक

ही ही ही! क्यों मजाक करते हैं साब! बेल्ट खोलूंगा तो आपकी पतलून नीचे नहीं गिर जाएगी। ही ही ही!

शायद कोई प्रतियोगी। जल्दी दरवाजा खोलो। और मेरी बेल्ट भी!

अरे कम्बख्त! सीने वाली बेल्ट!

आने वाले थे फाइटर टोड्स-

हम अंताक्षरी में हिस्सा लेने आए हैं। ये रहा आपका भेजा निमंत्रण।

TEAM A

आ गए!

मैं बच गया। चार चाय, चार केम्पा, चार पकौड़ी, चार कचौड़ी, चार पूरी, चार छोले। जल्दी, जाने न पाएं।

लेकिन प्रोड्यूसर साहब ! टीम बी में आपको ही बैठना है। क्योंकि टीम बी भी तो नहीं आई !

पर अब मैं जीतूंगा तो नहीं। ही ही ही !

TEAM A

मास्टर्र ! यह क्या है ?

ही ही ही। ये कैमरा है।

वो तो हमें भी पता है कि ये कमरा है जिसमें हम खड़े हैं। पर मैं तो इसका नाम पूछ रहा हूं।

ये कैमरा है। इसमें से होकर तुम्हारी फोटो टी० वी० पर जाएगी।

अच्छा। कमरे में से होकर हमारी फोटो टी० वी० में जाएगी। कंप्यूटर ! तू ध्यान रखना। जब फोटो टी०वी० में जाने के लिए दरवाजा खोले तो तू देख लेना कि हमारी फोटो कैसी आई हुई है।

और तभी-

टीम 'बी' भी आ गई।

हम दर्शक हैं।

पर हम असली खूनी हैं।

जल्दी यहां बैठ जाओ। वरना नकली गोली मार दूंगा।

एक्शन !

बेवकूफ ! उधर देखो ! तुम कैमरे के सामने हो ! तुम टी० वी० पर आरहे हो। तुम्हें अंताक्षरी खेलनी है।

पर हम यहां खून करने आए हैं, या अंताक्षरी खेलने !

ललल्लन ! खून तो हमें अंताक्षरी खत्म होने के बाद ही करना है। पहले टी० वी० पर आजाते हैं।

और तब–

तिजोरी भरने के लिए, करना है कुछ काम,
शुरू करो अंताक्षरी, लेकर प्रभु का नाम।

टीम 'स' आपको गाना शुरू करना है 'म' अक्षर से। तो दिल थामकर तैयार हो जाइए। शुरू होती है अंताक्षरी।

यानी हत्याक्षरी। क्योंकि विजेताओं को मैं दूंगा मौत की ट्रॉफी। ही ही ही !

शुरू हो गई अंताक्षरी–

टॉप टैन में आजकल जो गाना टॉप पर चल रहा है वो भी तो 'म' से है। मैं वही गाता हूं।

जल्दी गा शूटर !

पर इसने दिल थामकर रखने को भी कहा है?

मे हन्दी लगा के रखना ऽऽऽ
होली सजा के रखना ऽऽऽ
लेने तुझे ओ गोरी ऽऽऽ
आएंगे तेरे सजना ऽऽऽ

सेहरा सजा के रखना ऽऽऽ
चेहरा छुपा के रखना ऽऽऽ
के दिल की बात अपने ऽऽऽ
दिल में दबा के रखना ऽऽऽ

... हो हो हो हो !

टीम 'र' ने गाना खत्म किया अंतिम अक्षर 'ह' पर। टीम 'बी' को अब 'ह' अक्षर से शुरू होने वाला गाना गाना है!

मगर अभी हमने गाना खत्म नहीं किया!

हां! अभी तो शुरू किया है। 'ह' से तू गा शूटर! क्योंकि हममें से तेरी आवाज सबसे अच्छी है।

'ह' से वो वाला गाना गा शूटर! वो छत वाला!

ठीक है मास्टर! हम दो प्रेमी छत के ऊपर गली-गली में शोर ऽऽऽ शोर ऽऽऽ शोर ऽऽऽ अरररर....

अरे रुको! ये गाना टीम 'बी' को गाना है। तुम अंताक्षरी के रूल तोड़ रहे हो!

कंप्यूटर! ये क्या होता है?

रूल पुलिसजी के डंडे को कहते हैं।

मगर हमने पुलिस-जी के डंडे को कहां तोड़ा है?

पर तुम ऐसे नहीं गा सकते! उफ्!

गाते तो ऐसे ही हैं। शूटर तू गा!

हो ओ ओ। क्या अदा क्या जलवे तेरे पारो ऽऽऽ दिल के टुकड़े हो गए हजारों ऽऽऽ क्या अदा क्या जलवे तेरे पारो ऽऽऽ जाएगी मेरी जान मेरी आंख न मारो ऽऽऽ
हो पारो हइया ऽऽऽ तररमपम पारो ऽऽऽ
कट! कट!! कट इट!
कल्लन, अगर यही गाते रहे तो हमारी फोटू टेलीविजन में कब आएगी?
अबे! हम यहां अपनी फोटू खेंचवाने नहीं आए। वो तो हम सीलेमपौर के कालू फोटोग्राफर से भी खेंचवा लेंगे। अबे हम खूनी हैं। याद रख!
सवाल फोटू का नहीं है लल्लन! टीम 'ए' वाले हमें जानबूझ कर नहीं गाने दे रहे!
यानी गुंडागर्दी कर रहे हैं!
और गुंडागर्दी हम किसी की चलने नहीं देते। हम भी जबरदस्ती गाएंगे!

दिल्ली सहर में म्हारो घाघरो जो घूमयो सब मर गए म्हारो घाघरो जो घूमयो।

जो घूमयो। जो घूमयो जो घूमयो।

तू के बोली। तू क्यों बोली।

मास्टर्र! तेरी पसन्द का वो वाला गाना जिसे टी० वी० पर देखते ही तू मोटे रसीले मच्छर खाने भी भूल जाता है।

मेरी पसन्द का ये गाना तो शूटर्र ही गास्गा।

पर वो तो गा रहे हैं।

रोमांटिक! रोक इन्हें वरना मेरी धड़कन रुक जास्गी। लाखों रुपयों का नुकसान हो जास्गा। क्योंकि आधे घंटे के इस प्रोग्राम में पच्चीस मिनट के विज्ञापन मैंने बुक किए हुए हैं। बहूहूहू।

ये वाला गाना सिर्फ शूटर्र गास्गा!

ये गाना लल्लन गास्गा। लल्लन गा!

पंजा लड़ा लो। जो जीते उसी की बात ऊपर।

कहानी 19वें पृष्ठ से जारी

मंजूर!
रोमांटिक! रोक इन्हें, ये कुश्ती का अखाड़ा नहीं है। स्टूडियो है, जहां अंताक्षरी चल रही है।
शाबाश कटर! जोर लगा। तू ही जीतेगा!
अगर तू हार गया झल्लन तो विश्व के भयंकर खूनियों के नाम पर कलंक लग जाएगा।
अब देखो मेरा कमाल। यह देख मेरा चेहरा। ही ही ही।
आंय!
कटर के चेहरे पर नजर पड़ते ही झल्लन की एकाग्रता भंग हो गई और उसी पल कटर ने उसका पंजा मेज से लगा दिया-
हीयायाया ऽऽऽ
ओह! नहीं!

अगले ही पल क्रोध से कांपती कसाई पार्टी अपने असली रूप में आ गई-

काट दो!

TEA B

वाह! मजा आ गया। यहां तो एक्शन भी है।

रोमांटिक! इन्हें रोक!

आपने चाय मंगवाई थी। मैं देखकर आता हूं कि अभी तक क्यों नहीं आई!

इन्हें रोककर मरना है क्या?

कंप्यूटर बोल!

बोलता हूं। टोड्स...

... एक्शन!

धाड़
धाड़
वाह! मजा आ गया।
टल्लन! हम खूनी हैं या घसियारे?
ख... खूनी! देखो! मेरे मुंह से कितना खून टपक रहा है।
अपने दांत उठा ले टल्लन। आह! मैं बेहोश हो रहा हूं।
मैं तो हो भी चुका।
नहीं। बेहोश नहीं होना है।
और-
ये लो ट्राफी। तुम चारों जीत गए। अब जाओ।
बहूहूहू। मैंने पहले ही इन्हें दफा क्यों नहीं किया?
मास्टर! हम जीत गए। वाह!

उफ्! ये तो बहुत भारी है। उठती ही नहीं!

कंप्यूटर! तुम भी हाथ लगवाओ। इसे गटर तक तो लेकर जाना ही पड़ेगा।

उफ्! सड़क तक पहुंचते-पहुंचते तो ये और भी भारी हो गई है।

तुझे तो कोई ऐसी ट्राफी मिलनी चाहिए थी शूटर, जो तेरी जेब में आ जाती।

तू समझता नहीं शूटर! इनाम तो भारी ही होना चाहिए दिखाने के लिए।

कसाई पार्टी के चारों खूंखवार हत्यारे भी बाहर अपनी कार में पहुंच चुके थे-

कल्लन! हम इनसे एक बार पिट चुके हैं। इस बार हमला सावधानी व चालाकी से करना होगा!

इन्हें किसी तरह बहकाकर अड्डे पर ही ले चलते हैं। वहीं इनके सिर काट लेंगे। पर ये तीन हैं। चौथा कहां गया?

चौथा ट्राफी के पीछे की तरफ होगा!

वाह! कार को उनके पास ले चल टल्लन!

और-

हे हे हे! मुबारक हो। मुबारक हो। जीत मुबारक हो!

अंदर तो लड़ रहे थे!

पर अब हम पक्षता रहे हैं। क्यों टल्लन?

हां! आओ तुम्हें घर छोड़ देते हैं।

घर नहीं, गटर ! क्यों मास्टर्र ?

चलो ! क्योंकि इस समय हमें कार वाहन की जरूरत भी है।

ट्राफी को छत पर रख दो और बैठ जाओ।

टोड्स के बैठते ही टल्लन ने कार दौड़ा दी-

अरे पर मास्टर्र ! कटर्र तो अंदर आया ही नहीं !

वो जरूर छत पर चढ़ गया होगा। ताकि ट्राफी गिर ना जाए !

कहीं कटर्र ही कार वाहन की तेज रफ्तार में न उड़ जाए। ही ही ही !

तभी टोड्स चौंक पड़े-

अरे ! ये तुम्हारे हाथ में क्या है ?

ये खुशबू का डिब्बा है, जिसे खिड़कते ही खुशबू फैल जाती है। खिड़क दूं !

खुशबू का डिब्बा ? यानी बदबू का डिब्बा।

मास्टर्र ! इसकी गंध से तो मुझे चक्कर आ रहे हैं।

मुझे भी !

लल्लन! ये तो गए काम से!
शीई ऽऽऽ चौथा इनका साथी अभी कार की छत पर बैठा है।
अड्डे में पहुंचकर निबट लेंगे उससे भी!
जल्दी ही अड्डे पर-
अरे! चौथा कहां गया?
?
लगता है तेज रफ्तार कार की हवा से उड़ गया! वो देखो उसका टोप पड़ा है!
पर टोप तो पहले उड़ने की चीज है!
उसे पड़ा रहने दो फिलहाल। इन तीनों को लेकर सिंगर पसली के पास चलते हैं।
और फिर-
हा हा हा। टी०वी० पर बहुत उछल-कूद मचा रहे थे। अब केवल इनके सिर उछलेंगे। कट-कटकर। हा हा हा!
इनका चौथा साथी भी जल्दी ही आपके सामने होगा उस्ताद!
मगर इन्हें मारने से पहले मैं इनकी तड़प का मजा लूंगा। इन्हें होश में लाओ। हा हा हा!
आह! गुलुप!

होश में आते ही चौंक पड़े टोड्स-

मास्टर्र! हमारे साथ इन्होंने धोखा किया है। वो कोई बेहोश करने की गंध थी।

धोखेबाजों को हम ठीक कर देते हैं।

हा हा हा! अब मैं तुम्हें बहुत ही जल्दी देनेवाला हूं हत्याक्षरी जीतने के लिए...

मगर हम तो बंधे हुए हैं। और हमारी गर्दनों पर मौत टंगी हुई है मास्टर्र! कटर भी कहीं दिखाई नहीं पड़ रहा।

... मौत की ये वाली ट्रॉफी।

BTV

BTV

हत्याक्षरी? वो क्या होती है?

हत्याक्षरी। यानी अक्षरों से शुरू होने वाली हत्याएं। मैं अंताक्षरी के विजेताओं की हत्या करके उनकी खोपड़ी को निकल पॉलिश से चमकाकर अपने संग्रहालय में रखता हूं।

मास्टर्र! ये तो हत्यारे करता है। और हत्या करना पाप होता है।

सिंगर पसली का हाथ 'कटर' की रस्सी पर जम गया, और–
अब मैं कटर को खींचने जा रहा हूं। जिसे खींचते ही कटर तुम्हारी गर्दन पर आकर पड़ेगा जिससे तुम्हारे प्राण हवा में विलीन हो जाएंगे। और मेरे संग्रहालय में तीन खोपड़ियां और बढ़ जाएंगी।
कंप्यूटर! ये कह रहा है कि ये कटर को खींचने जा रहा है। तू उल्टा बंधा है। तू देखकर बता कि क्या कटर सचमुच ऊपर बंधा हुआ है।
लेकिन इससे पहले कि सिंगर पसली कटर की रस्सी को खींच देता...
हीं या ऽऽऽ हट पीछे- हत्यारे ऽऽऽ
धाड़
ट्रॉफी से निकलकर कटर ने किक घुमाई–
अभी मैं तुम्हें पीट नहीं रहा। अभी तो मैंने सिर्फ तुम्हें गिराया है। पीटूंगा मैं तुम्हें तब, जब कंप्यूटर 'टोड्स-एक्शन' कहेगा।
कटर तो यहां है। फिर ऊपर किसे कटर समझ कर बांध रखा है?
कटर! हमें खोल!
पलक झपकते ही कटर की तलवार ने काट डाले मास्टर, कंप्यूटर और शूटर के बंधन–
कंप्यूटर! अब तू देर मत कर। जल्दी से बोल दे...

टोड्स
स्क्शन !
हाय! यह क्या करते हो
यार?
खच
धाड़!
ओक

खबरदार! अब मैं तुम्हें इम्पॉटिड रिवॉल्वर की गोलियों से मारूंगा।

उछल-उछलकर बचो!

मेरी गोलियां खत्म हो गई हैं। तुम वैसे ही खड़े रहना। म... मैं गोलियां भर लूं!

कल्लन! जरा मेरा गंडासा तो उठा दे। वो उस्ताद को मार देंगे! आह!

अपने आप को उठाने की हिम्मत तो है नहीं मुझमें, और तू गंडासा उठाने के लिए कह रहा है!

इधर हवा में पोलवॉल्ट पर लहराया मास्टर का जिस्म और—

आह! गोलियां तो भरने दो। आह!

मास्टर्र उसे पीट रहा है। मैं ये रस्सी खींचकर देखता हूं कि उसने ऊपर कटर्र समझ कर किसे बांधा हुआ था।

मुझे गोलियां भरने दो। फिर लड़ लेना!

तभी शूटर्र ने रस्सी खींच दी और कटर आकर गिरा सिंगार पसली की बाजू पर। परिणामस्वरूप चीरव पड़ा सिंगार पसली-

आह! मेरा बाजू कट गया रे!

ओह! तो वो ये वाला कटर था जो काट देता है!

और तभी-

खबरदार! कोई अपनी जगह से न हिले...

...आखिर मैं हत्याक्षरी के हत्यारे तक आ ही पहुंचा। क्योंकि मैं जानता था कि हत्यारा अंताक्षरी के विजेताओं की ही हत्या करेगा। इसलिए इस बार मैं शुरू से ही अंताक्षरी के कार्यक्रम को देख रहा था और विजेताओं पर नजर रख रहा था। हूं न समझदार पुलिसवाला। हीहीही!

?

?

?

पुलिस जी आ गए हैं। सलाम ठोककर खिसकने वाली बात करें।

हाय रे मेरा हाथ! अब मैं रिवॉल्वर में गोलियां कैसे भरूंगा!

और तभी-

सलाम साब !

सलाम साब !

ओह ! सलाम, सलाम, सलाम ! तीन बार सलाम ठोका। मैं खुश हुआ। तुमने इस शैतान हत्यारे को पकड़वाकर बहुत बड़ा काम किया है। अब तुम जा सकते हो !

तब सिंगर पसली ने इंस्पेक्टर को बताया-

हां, मुझे अंताक्षरी से नफरत है। क्योंकि मैं जब भी अच्छा गाता हूं तो दूर-दूर के गधे मेरे चारों ओर इकट्ठे होकर मुझसे भी अच्छा गाने लगते हैं। और अंताक्षरी के प्रोड्यूसर ने उन गधों को चांस दे दिया, मगर मुझे धक्के मारकर निकाल दिया। जिससे मेरा माइक भी टूट गया। मुझे बहुत दर्द हुआ। दर्द नफरत में बदल गया। फिर नफरत बदले की आग में। खुंदक तो तब आई जब गधे जीत गए। तभी से मैंने अंताक्षरी में जीतने वालों की हत्याएं करनी शुरू करदीं, अब मेरी आखिरी ख्वाहिश ये है कि फांसी के फंदे पर लटकने से पहले मैं जल्लादों को अपना गाना सुनाऊं (ताकि वो मेरा गाना सुनकर भाग जाएं और मैं बच जाऊं। ही ही ही।) आई मेरा हाथ !

जबकि टोड्स, टोड्स निवास में-

आखिर हम अपनी जीती हुई ट्रॉफी टोड निवास ले ही आए।

पर मास्टर यार ! माफ कर देना। मैंने तुम्हारे साथ एक समझदारी दिखाई थी। भारी ट्रॉफी मुझे न उठानी पड़े, इसलिए मैं उछलकर ट्रॉफी के अन्दर छिप गया था !

मगर तेरी उसी समझदारी से ही तो हमारे प्राण बचे। चल इसी बात पर हमने तेरी गुस्ताखी माफ की !

और तेरा आज का डिनर मेरी तरफ से कटर्र !

समाप्त.

Uploaded for RCJ Community